



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]  
No. 15]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 10, 1965 (चैत्र 20, 1887)  
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 10, 1965 (CHAITRA 20, 1887)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### नोटिस

### NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 29 मार्च, 1965 तक प्रकाशित किए गए थे :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 29th March, 1965 :—

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
29	No. 25 (6)-NS/65, dated 8th March 1965	Ministry of Finance	Prize winning list of the Five-year Interest Free Prize Bonds 1965.
30	No. 18-ITC (PN)/65, dated 24th March 1965	Ministry of Commerce	Import of small size loudspeakers by smallscale manufacturers of transistor radios during April 1964—March 1965.
31	No. F. 7 (3)/NS/65 (1) dated 25th March 1965 No. F. 7 (5)/NS/65, dated 25th March 1965	Ministry of Finance	Rules regarding National Savings Certificate (First Issue). The Post Office Saving Bank. (Cumulative Time Deposits). Amendment Rules, 1965.
32	No. 19-ITC (PN)/65, dated 27th March 1965	Ministry of Commerce	Export promotion Scheme for export of Pearls etc.
33	No. 20-ITC (PN)/65, dated 29th March 1965	-do-	Opening of an Import and Exports Trade Control Office at Kanpur.
	No. 21-ITC (PN)/65, dated 29th March 1965	-do-	Opening of an Import & Exports Trade Control Office at Srinagar.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

### विषय-सूची

### CONTENTS

पृष्ठ Pages	पृष्ठ Pages
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधीतर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं .. .. . 177	भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधीतर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं .. .. . —
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से संबंधित अधिसूचनाएं .. .. . 283	भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से संबंधित अधिसूचनाएं .. .. . 169
	भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम .. .. . —
	भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें .. .. . —

	पृष्ठ Pages		पृष्ठ Pages
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) ..	587	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें ..	121
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं .. .. .	1235	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं ..	25
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश .. .. .	95	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं ..	2373
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ..	213	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	73
		पूरक सं० 15—	
		3 अप्रैल, 1965 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट ..	473
		13 मार्च, 1965 को समाप्त होनेवाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से संबंधित आंकड़े ..	485
<hr/>			
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ... .. .	177	PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. ..	1235
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc., of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	283	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	95
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions, issued by the Ministry of Defence ... .. .	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. .	213
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc., of Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .	169	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	121
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. .. .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	25
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .. .	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .	2373
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including orders, by-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	587	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. ..	73
		SUPPLEMENT No. 15—	
		Weekly Epidemiological Reports for week-ending 3rd April 1965 .. .. .	473
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 13th March 1965 .. .. .	485

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधीतर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

**Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court**

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च, 1965

सं० 26-प्रेज/65—राष्ट्रपति पंजाब के निम्नांकित पुलिस अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

**अधिकारी का नाम तथा पद**

श्री चानन सिंह,

पुलिस उप-निरीक्षक,

1-बटालियन, पंजाब सशस्त्र पुलिस,

पंजाब

(स्वर्गीय)

**सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक दिया गया ।**

30/31 दिसम्बर, 1963 की रात को उप-निरीक्षक चानन सिंह जब कि वह युद्ध-विराम रेखा के पार से खोरी-छिपे आने वालों को रोकने के लिये स्थापित चौकी के अधिकारी थे, उन्हें पता चला कि 30 सशस्त्र लुटेरे युद्ध-विराम रेखा से 6 मील दूर कांगड़ी गांव से सम्पत्ति लूट कर युद्ध-विराम रेखा की ओर लौट रहे हैं। धुंध और अंधेरे के बावजूद, उप-निरीक्षक चानन सिंह पांच कांस्टेबलों को साथ लेकर लुटेरों को रोकने के लिये चल पड़े। दुर्भाग्यवश धुंध के कारण वह लुटेरों को तभी देख पाये जब वे उनसे कुछ गजों की दूरी पर आ गये। लुटेरों की संख्या अधिक थी किन्तु उसकी परवाह किये बिना उप-निरीक्षक चानन सिंह ने अपनी पिस्तौल से उन पर गोली चला कर उनमें से दो को घायल कर दिया। लुटेरों ने भी जवाब में गोली चलाई और उन्हें आहत कर दिया। अपनी सख्त चोटों से अनभिज्ञ और अधिक रक्त-स्राव के होने पर भी उप-निरीक्षक चानन सिंह हिम्मत से लड़ते रहे जबतक कि लुटेरे सारी लूटी हुई सम्पत्ति छोड़ कर भाग न गये। श्री चानन सिंह को जब चौकी की ओर ले जाया जा रहा था तो उनकी मृत्यु हो गयी।

इस मुठभेड़ में उप-निरीक्षक चानन सिंह ने उत्कृष्ट वीरता और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए अपना बलिदान दे दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक के नियम 4(I) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा पुरस्कृत अधिकारी को नियम 5 के अन्तर्गत विशेष भत्ता दिनांक 31 दिसम्बर, 1963 से दिया जायगा।

सं० 27-प्रेज/65—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश के निम्नांकित पुलिस अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

**अधिकारी का नाम तथा पद**

श्री रणवीर सिंह,

कम्पनी कमांडर,

16वीं बटालियन,

विशेष सशस्त्र दल, सागर,

मध्य प्रदेश

(स्वर्गीय)

**सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक दिया गया ।**

24 सितम्बर 1964 को गंगोली में स्थित विशेष सशस्त्र दल के कम्पनी कमांडर श्री रणवीर सिंह को सूचना मिली कि कुछ सशस्त्र

डाकू जियाजीगढ़, मेमरखेडी तथा रायत-का-पुरवा नामक गांवों में ठहरे हुये हैं। श्री रणवीर सिंह ने तुरन्त अपने उपलब्ध दल को इकट्ठा किया तथा रात को ही गांवों को घेरने की योजना बनाई ताकि सुबह होते ही वह गांवों की तलाशी लेने में समर्थ हो सके। जियाजीगढ़ का घेरा डालने के लिये, जहां कि डाकू-दल के छिपे होने की संभावना थी, जो पुलिस-दल तैनात किया गया उसका चार्ज श्री रणवीर सिंह ने स्वयं संभाला। गांव तक पहुंच कर श्री रणवीर सिंह ने डाकुओं के बच निकलने के सभी रास्तों को अपने आदमी लगा कर बन्द कर दिया। गांव का सर्वेक्षण करते हुए श्री रणवीर सिंह को गांव की एक झोंपड़ी में कुछ मध्यम वार्तालाप सुनाई दिया। झोंपड़ी में डाकुओं के होने का अनुमान लगा कर श्री रणवीर सिंह ने उसके दरवाजे के पास मोर्चा सम्भाला और डाकुओं को आदेश दिया कि वे आत्मसमर्पण कर दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके साथ उचित वर्ताव किया जायगा। इसपर डाकुओं ने पुलिस को गालियां दीं और बाहिर आने से इन्कार कर दिया। अगरचे सुबह हो रही थी किन्तु झोंपड़ी में अभी भी अंधेरा था और कम्पनी कमांडर रणवीर सिंह को यह पता न चल सका कि अन्दर क्या हो रहा है। यह अनुभव करते हुए कि झोंपड़ी में कुछ निर्दोष व्यक्ति भी हो सकते हैं, उन्होंने डाकुओं को आत्मसमर्पण करने के अपने प्रयत्न जारी रखे। अचानक डाकू झोंपड़ी से बाहर निकलते ही बच कर भाग निकलने के लिये गोलियां चलाने लगे। श्री रणवीर सिंह को पेट में गोली लगी। संघातक चोट की परवाह न करते हुए श्री रणवीर सिंह ने डाकू सरदार निर्भय सिंह को गोली मार कर समाप्त कर दिया। अपने आदमियों को आश्वासन देते हुए कि वह बिलकुल ठीक है श्री रणवीर सिंह ने उनके हौसले को कायम रखा और डाकुओं के बच निकलने को रोकने के लिये बराबर आदेश देते रहे। मुठभेड़ में पुलिस दल द्वारा दो और डाकुओं को गोली से मार दिया गया। इसके तुरन्त बाद श्री रणवीर सिंह ने यह जानते हुए कि अब उनका अन्तिम समय नज़दीक आ रहा है हेड कान्स्टेबल चैन सिंह को दल का नेतृत्व सौंप कर प्राण त्याग दिये।

इस मुठभेड़ में उत्कृष्ट वीरता, नेतृत्व और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए उन्होंने अपना जीवन बलिदान कर दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा-पदक के नियम 4(I) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा पुरस्कृत अधिकारी को नियम 5 के अन्तर्गत विशेष भत्ता दिनांक 25 सितम्बर 1964 से दिया जायेगा।

सं० 28-प्रेज/65—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

**अधिकारियों के नाम तथा पद**

1. श्री बहोरा सिंह,

कांस्टेबल सं० 317,

जिला मुरेना,

मध्य प्रदेश।

2. श्री सन्त सिंह,  
कांस्टेबल सं० 98,  
जिला मुरेना,  
मध्य प्रदेश।
3. श्री सिकन्दर खां,  
कांस्टेबल सं० 140,  
जिला मुरेना,  
मध्य प्रदेश।
4. श्री गम्भीर सिंह,  
कांस्टेबल सं० 322,  
जिला मुरेना,  
मध्य प्रदेश।
5. श्री भगवान सिंह,  
कांस्टेबल सं० 556,  
जिला मुरेना,  
मध्य प्रदेश।

#### सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किये गये

10 अप्रैल, 1964 को, लगभग साढ़े पांच बजे सायंकाल डाकुओं के एक एकत्रित गिरोह ने, जिसमें अधिकतर भिड़ तथा मुरेना के कुख्यात गिरोह के 95 शक्तिशाली डाकू सम्मिलित थे, ने ग्राम पंडोला, थाना बरोदा, जिला मुरेना पर आक्रमण किया। डाकुओं ने ग्राम को चारों ओर से घेर लिया तथा लूट-मार करनी आरम्भ कर दी। गिरोह के ग्राम में प्रवेश करने के तुरन्त बाद ही एक ग्रामीण वहां से डेढ़ मील के अन्तर पर स्थित निकटवर्ती ग्राम पंडोली की ओर भागा, जहां कि बड़ोदा से पांच कांस्टेबल आह्वान-पत्र देने के लिये आये हुये थे। कांस्टेबल बरोदा सिंह, सन्त सिंह, सिकन्दर खां, गम्भीर सिंह तथा भगवान सिंह गिरोह के भयंकर समूह से मुकाबला करने के लिये ग्राम पंडोला की ओर शीघ्रता से अग्रसर हुये। उन्होंने ग्राम में प्रविष्ट होने के लिये दो प्रयास किये, प्रथम दक्षिण से तत्पश्चात् पश्चिम से, परन्तु प्रत्येक समय डाकुओं द्वारा चलाई गई भीषण गोलाबारी से वे रोक दिये गये। गोलाबारी की चिन्ता न करते हुये पुलिस दल नाले के साथ आगे बढ़ा तथा उसने सड़क के निकट अपनी स्थिति को सम्भाल लिया और डाकुओं पर गोली चलाना आरम्भ कर दिया। अनेक दिशाओं से गोलियों की आवाज सुनकर, डाकुओं के मुखियाओं ने, जो कुछ रजत-आभूषणों को उतारने के लिये एक महिला के पैर काट रहे थे, विचार किया कि वे एक बड़े पुलिस दल द्वारा घेर लिये गये हैं तथा उन्होंने तुरन्त ही अपने साथियों को पीछे भागने का संकेत किया। ऐसा करते हुये, डाकू ग्यारह व्यक्तियों को, जिसमें 17 एवं 19 वर्षीया दो लड़कियां तथा भारी सम्पत्ति थी, अपने साथ ले गये। इस पर पुलिस दल ने ग्राम का चक्कर लगाया और डाकुओं पर पुनः आक्रमण किया। छटकर हुये इस भीषण युद्ध में डाकुओं ने सौ से भी अधिक गोलियां चलाई तत्पश्चात् पीछे हटना आरम्भ किया। संकट से असावधान, पुलिस के इस छोटे दल ने उनका पीछा किया तथा अपने उदाहरणीय साहस द्वारा डाकू गिरोह को, जो संख्या में लगभग बीस गुणा इनसे अधिक था, को भगा दिया और लूटी हुई सम्पत्ति का एक बड़ा भाग पुनः अपने अधिकार में कर लिया तथा आठ व्यक्ति जिनमें दो लड़कियां भी थीं, का उद्धार किया।

इस मुठ-भेड़ में, कांस्टेबल बहोरा सिंह, सन्त सिंह, सिकन्दर खां, गम्भीर सिंह तथा भगवान सिंह ने अपनी सुरक्षा की पूर्णतया उपेक्षा करते हुये उदाहरणीय साहस एवं उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (I) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 10 अप्रैल, 1964 से दिया जायेगा।

वाई० डी० गंडेविया, राष्ट्रपति के सचिव

#### लोक-सभा सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1965

सं० एफ० 21/3/65/टी०—मैसूर के तुमकुर निर्वाचन-क्षेत्र में लोक-सभा के निर्वाचित सदस्य श्री अजित प्रसाद जैन ने 2 अप्रैल, 1965 में लोक-सभा में के अपने स्थान का त्याग कर दिया है।

श्यामलाल शकधर, सचिव

#### योजना आयोग

##### संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1965

सं० उ० व० ख०-3(7)/65—जिन मदों के उत्पादन की योजना बनाई जा चुकी है तथा जिनके उत्पादन की शीघ्रता से व्यवस्था की जा सकती है इन दोनों को ध्यान में रखते हुए चौथी योजना के पूंजीगत सामान की मशीनरी और सामान के विभिन्न मदों को, सरकारी तथा निजी क्षेत्र के मुख्य इंजीनियरिंग यूनिट किस सीमा तक अधिकतम मात्रा में उत्पादन और सम्भरण कर सकते हैं उसका शीघ्र अनुमान लगाने के लिए एक तकनीकल समिति का गठन करने का निश्चय किया गया है। यह समिति इस विषय में अन्वेषण करेगी तथा सरकार को सिफारिशें करेगी।

2. तकनीकल समिति के सदस्य निम्न प्रकार से होंगे :—

- |                         |            |
|-------------------------|------------|
| (1) डा० ए० नागाराजा राव | अध्यक्ष    |
| (2) श्री पी० सी० कपूर   | सदस्य      |
| (3) श्री एम० एम० सूरी   | "          |
| (4) डा० के० एस० चारी    | "          |
| (5) श्री एस० मूलगावकर   | "          |
| (6) डा० बी० डी० कलेलकर  | "          |
| (7) श्री एस० एस० जगोता  | "          |
| (8) श्री के० बी० राव    | "          |
| (9) श्री के० एम० जाजं   | "          |
| (10) श्री बी० सी० माथुर | सदस्य-सचिव |

3. समिति के विचारणीय विषय निम्न प्रकार होंगे :—

- (क) इस्पात कारखानों, खनिज, सीमेंट, चीनी इत्यादि मुख्य उद्योगों के सम्बन्ध में पूंजीगत सामान की आवश्यकताओं की जांच कर अनुमान लगाना।
- (ख) उपर्युक्त आवश्यकतायें (1) परिचालित और (2) कार्यान्वयन के अन्तर्गत सरकारी तथा निजी क्षेत्रों के प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं से किस सीमा तक पूरी हो सकती हैं, उनका शीघ्र पर्यवेक्षण करना;
- (ग) देशी उत्पादन में जो मुख्य कमियां हैं उनको बताना और इस सम्बन्ध में किये जाने वाले आयात को यथाशीघ्र कम करने तथा उनकी पूर्ति करने के लिए शीघ्रता से कदम उठाने के लिए सिफारिश करना। इस प्रतिफल को प्राप्त करने के लिए, समिति परियोजनाओं, और नई परियोजनाओं का विस्तार के अलावा वर्तमान यूनिटों और जो यूनिटें कार्यान्वित की जा रही हैं उनके उत्पादन कार्यक्रम में बड़ोत्तरी और समंजन पर भी विचार करेगी।

4. समिति अपने कार्य के दौरान अन्य विशेषज्ञों को सहयोजित कर सकती है या उनसे सहायता ले सकती है।

5. समिति की बैठकें नई दिल्ली या अन्य स्थानों पर समय समय पर होंगी और दो महीने के अन्दर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी।

**आदेश**

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और अन्य सम्बन्धित व्यक्तियों को भेज दी जाय।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सर्व साधारण की सूचना के लिए भारत सरकार के गजट में प्रकाशित की जाये।

सं० उ० व० ख-3(7) 1/65—चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान बिजली के उत्पादन, पारेषण और वितरण के लिए बिजली के सामान की आवश्यकताओं का अनुमान लगाने के उद्देश्य से एक तकनीकल समिति गठित करने का निष्पत्ति किया गया है। यह समिति चौथी योजना अवधि के दौरान मुख्य बिजली के सामान की आवश्यकताओं का अध्ययन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

2. समिति का गठन निम्न प्रकार से होगा :—

- |                                   |            |
|-----------------------------------|------------|
| (1) श्री वी० एस० नाग              | अध्यक्ष    |
| (2) श्री एम० के० गोपालाख्यंगार    | सदस्य      |
| (3) श्री के० एल० बिज              | "          |
| (4) डा० बी० डी० कलेलवार           | "          |
| (5) श्री के० बी० माथुर            | "          |
| (श्री वी० कृष्णामूर्ति के विकल्प) |            |
| (6) श्री के० सी० लाल              | "          |
| (श्री एस० स्वयम्भू के विकल्प)     |            |
| (7) श्री हरिभूषण                  | "          |
| (8) श्री के० एन० रामास्वामी       | सदस्य-सचिव |

3. समिति के विचारणीय विषय निम्न प्रकार से होंगे :—

(क) बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण के चौथी और पांचवीं योजना लक्ष्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बिजली के सामान के सब प्रमुख वर्गों और किस्मों का अनुमान लगाना। इस सम्बन्ध में समिति, ऊर्जा (एनर्जी) सर्वेक्षण समिति की सिफारिशों तथा बिजली लक्ष्यों के अन्य अनुमानों को ध्यान में रखेगी।

(ख) उपर्युक्त आवश्यकताओं की गुणात्मक तथा मात्रा सम्बन्धी दोनों दृष्टियों से, परिचालन/कार्यान्वयन के अन्तर्गत क्षमता तथा इस प्रकार के सामान के देसी उत्पादन के संदर्भ में कमी की पूर्ति का अनुमान लगाने के लिए जांच करना;

(ग) कमी की पूर्ति के लिए उत्पादन कार्यक्रमों में वृद्धि करके पुनः समंजन करके तथा परिचालित एवं नये यूनितों के रूप में कार्यान्वित वाली यूनितों की क्षमता का विस्तार करने के लिए सिफारिश करना।

4. समिति अपने कार्य के दौरान जैसा भी उपयुक्त समझे, अन्य विशेषज्ञों को भी सहयोगित कर सकती है या उनसे सहायता प्राप्त कर सकती है।

5. समिति की बैठकें आवश्यकतानुसार नई दिल्ली या किसी अन्य स्थान पर समय समय पर होंगी।

**आदेश**

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और अन्य सम्बन्धित व्यक्तियों को भेज दी जाये।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सर्व साधारण की सूचना के लिए भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित की जाये।

एम० बट्ट, संयुक्त सचिव

**साथ और कृषि मंत्रालय****(कृषि विभाग)****प्रस्ताव**

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1965

सं० 6-10/65-सामान्य (2)—भारत सरकार ने निश्चय किया है कि इस मन्त्रालय द्वारा प्रकाशित दिनांक 24 सितम्बर, 1964 कर प्रस्ताव संख्या 6-34/64-सी० जी० के अन्तर्गत श्री ए० एल० फेल्लर वित्तीय आयुक्त (राजस्व) पंजाब सरकार के स्थान पर श्री आर० एस० रन्धावा, पंजाब सरकार के कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास आयुक्त, कृषि प्रशासन विशेषज्ञों के पैनल के सदस्य के रूप में कार्य करेंगे।

**आदेश**

आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की एक प्रतिलिपि भारत सरकार के समस्त मन्त्रालयों और विभागों, समस्त राज्य सरकारों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों, योजना आयोग, मन्त्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान-मन्त्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, लोकसभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक, संसद पुस्तकालय (5 प्रतियां), पैनल के समस्त सदस्यों, समस्त राज्यों और संघ क्षेत्रों के कृषि और पशु-पालन निदेशकों, खाद्य और कृषि मन्त्रालय (कृषि विभाग) के अन्तर्गत समस्त सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव को सर्व साधारण की जानकारी के लिये भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

ग० रा० कामत, सचिव

**शिक्षा मंत्रालय**

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च, 1965

सं० 5(31)/65 एस० आर० 1—राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (1956 के कम्पनी अधिनियम के अधीन पंजीकृत कम्पनी) के संस्था-अन्तर्नियमों के अनुच्छेद 89 के अनुसरण में, राष्ट्रपति पहली अप्रैल, 1965 से दो वर्ष की अवधि के लिए निगम के निदेशक बोर्ड (बोर्ड आफ डाइरेक्टर्स आफ दी कार्पोरेशन) को सहर्ष पुनर्गठित करते हैं और निम्नालिखितों को निदेशकों के रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. डा० एस० हुसैन जहीर,  
महानिदेशक,  
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद,  
रफी मार्ग, नई दिल्ली।
2. श्री अरविन्द एन० मफतलाल  
मफतलाल हाउस,  
वैकबे रेकलेमेशन, बम्बई-1।
3. श्री एम० जी० राजाराम,  
संयुक्त सचिव,  
शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।
4. श्री के० एन० चन्ना,  
(संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय),  
वित्तीय सलाहकार, शिक्षा-मंत्रालय,  
नई दिल्ली।
5. डा० एन० श्रीनिवासन,  
औद्योगिक सलाहकार (रसायन)  
तकनीकी विकास महानिदेशालय,  
नई दिल्ली।

6. डा० बी० आर० निझावन,  
निदेशक,  
राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला,  
जमशेदपुर।
7. श्री एम० एम० सुनी,  
निदेशक,  
केन्द्रीय मैकेनिकल इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान,  
महात्मा गांधी एवेन्यू,  
दुर्गापुर-3।
8. डा० वार्ड० नयुदम्मा,  
निदेशक,  
केन्द्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान,  
मद्रास-20।
9. श्री के० सेन,  
मैसर्स एलाइड रेसिन्स एंड केमिकल्स प्रा० लि०,  
10-1, एलगिन रोड, कलकत्ता-20।
10. श्री लक्ष्मीपत सिंघानिआ,  
जे० के० ओर्गेनाइजेशन,  
7, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट,  
कलकत्ता-1।
11. श्री के० सी० चौधरी,  
संयुक्त निदेशक,  
अनुसंधान (एम० एण्ड० सी०) रिमर्च डिजाइन्स एण्ड  
स्टैण्डर्ड्स आर्गेनाइजेशन,  
चित्तरंजन।
12. श्री ए० एम० एम० मुरुगप्पा चेट्टियार,  
52/53 जहांगीर स्ट्रीट,  
मद्रास-1।
13. श्री बलदेव सिंह,  
अनुसंधान समन्वय (रिसर्च कार्डिनेशन),  
औद्योगिक सम्पर्क तथा विस्तार अधिकारी,  
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद,  
रफी मार्ग, नई दिल्ली।
14. डा० ए० एन० कपूर,  
कार्यकारी निदेशक,  
राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम,  
मंडी हाउस, लिटन रोड,  
नई दिल्ली-1।

2. संस्था-अन्तर्नियमों के अनुच्छेद 103 के अनुसार, राष्ट्रपति निदेशकों के पुनर्गठित बोर्ड (बोर्ड आफ डाइरेक्टर्स) के अध्यक्ष पद पर डा० हुसैन जहीर को तथा उपाध्यक्ष पद के लिए श्री आरविन्द मफनलाल को सहर्ष मनोनीत करते हैं।

एम० एम० सल्लोला, उप सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च 1965

सर जमसेत जी जीजी भाई पारसी बेनिबोलेष्ट इन्स्टीट्यूशन  
मुम्बई के मामले में।

सं० एफ०-15-3/63 (ए०-1) सी० डी० एन०—यतः  
सर जमसेत जी जीजी भाई पारसी बेनिबोलेष्ट इन्स्टीट्यू-  
शन, मुम्बई के सचिव द्वारा केन्द्रीय सरकार से आवेदन किया गया है  
कि नीचे की अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियां, 7 मार्च, 1906  
की अधिसूचनाओं सं० 452 और 453 में तत्कालीन मुम्बई सरकार  
द्वारा प्रकाशित संस्था की प्रशासन स्कीम में अन्तर्निष्ठ निबन्धनों पर  
न्यायार्थ प्रयुक्त किये जाने के लिए भारत के पूर्ण धर्मस्वों के कोषा-  
ध्यक्षों में उक्त संस्था के पदनाभ में विहित की जायें,

अतः अब पूर्ण धर्मस्व अधिनियम, 1890 (1890 का 6)  
की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग  
करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निदेश देती है कि उक्त प्रति-  
भूतियों और उनकी आय को उक्त स्कीम में नियत किये गये निबन्धनों  
के अनुकूल धृत रखने के लिए उक्त प्रतिभूतियां भारत के पूर्ण धर्मस्वों  
के कोषाध्यक्ष और उसके पदीय उत्तरदातियों द्वारा (पूर्ण धर्मस्व  
अधिनियम, 1890 के उपबन्धों और केन्द्रीय सरकार द्वारा समय  
समय पर तदधीन बनाये गये या बनाये जाने वाले नियमों के अध-  
धीन) न्याय पर धृत किये जाने के लिए उस कोषाध्यक्ष में निहित  
होंगी।

#### अनुसूची

3½ प्रतिशत वाले राष्ट्रीय योजना बन्धपत्र, 1965 (दूसरी श्रेणी)

- |              |           |                      |
|--------------|-----------|----------------------|
| (i) सी० ए०   | 006221    | 1,00,000 रु० के लिए  |
|              |           | 1/1,00,000           |
| (ii) एस० ए०  | 006224/33 | 10,00,000 रु० के लिए |
|              |           | 10/1,00,000          |
| (iii) सी० ए० | 006222/23 | 50,000 रु० के लिए    |
|              |           | 2/25,000             |
| (iv) सी० ए०  | 006234/37 | 20,000 रु० के लिए    |
|              |           | 4/5,000              |
| (v) सी० ए०   | 006238/41 | 4,000 रु० के लिए     |
|              |           | 4/1,000              |
| (vi) सी० ए०  | 006242/45 | 400 रु० के लिए       |
|              |           | 4/100                |

योग : 11,74,400 रु०

(केवल ग्यारह लाख चौहत्तर हजार चार सौ रुपये)

जी० के० भटनागर, अवर सचिव

#### PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 31st March 1965

No. 26-Pres./65.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Punjab Police :—

Name of the officer and rank

Shri Chanan Singh,  
Sub-Inspector of Police,  
1st Battalion, Punjab Armed Police,  
Punjab.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the night of 30th/31st December, 1963, Sub-Inspector Chanan Singh was in command of a picket established to check infiltration from across the cease-fire line, when he learnt that 30 armed raiders were returning towards the cease-fire line with property looted from village Kangri, 6 miles

from the line. Despite the fog and darkness, Sub-Inspector Chanan set out with five constables to intercept the raiders. Unfortunately owing to the fog, he noticed the raiders only when they were within a few yards of his position. Undeterred by their overwhelming strength Sub-Inspector Chanan Singh fired at them with his pistol and injured two. The raiders returned the fire mortally wounding him. Unmindful of his grievous injuries and though bleeding profusely Sub-Inspector Chanan Singh continued the fight courageously, until the raiders fled abandoning all the looted property. Shri Chanan Singh succumbed to his wound while being carried back to the picket.

In this encounter Sub-Inspector Chanan Singh exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of the highest order in the performance of which he laid down his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 31st December, 1963.

No. 27-Pres./65.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

*Name of the officer and rank*

Shri Ranvir Singh,  
Company Commander.  
16th Battalion, Special Armed Force, Sagar.  
Madhya Pradesh. (Deceased)

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 24th September, 1964, information was received by Shri Ranvir Singh, Company Commander, Special Armed Force at Gungaoli, about the presence of armed dacoits in village Jiyajigarh, Semarkhed and Rawat-ka-pura. Shri Ranvir Singh immediately collected the available force, chalked out a plan to surround the villages at night so as to be in position to conduct a search at first light. Shri Ranvir Singh himself took charge of the police party which was to go to village Jiyajigarh where the gang was most likely to be. On reaching the village, Shri Ranvir Singh deployed his men to seal all the escape routes. While reconnoitring the area, Shri Ranvir Singh heard subdued conversation emanating from one of the huts in the village. Sensing the presence of the dacoits Shri Ranvir Singh took up a position very close to the entrance of the hut and ordered the dacoits to surrender; assuring them safe conduct and proper treatment if they did so. At this the dacoits hurled abuse at the police and refused to come out. Though dawn was breaking, it was still dark inside the hut and Company Commander Ranvir Singh could not make out what was going on inside. However, realising that there might also be some innocent persons inside the hut, he continued his efforts to persuade the dacoits to surrender. Suddenly the dacoits emerged from the hut firing as they made a bid to escape. Shri Ranvir Singh was hit in the stomach. Undeterred by this mortal wound, he stood up and shot the gangleader Nirbhay Singh dead. Assuring his men that he was all right Shri Ranvir Singh kept up their morale and continuously gave them directions to prevent the dacoits from escaping. In the encounter that followed two more dacoits were shot dead by the police party. Soon after, Shri Ranvir Singh knowing that he was dying, called Head Constable Chain Singh and handed over charge of the force to him before he succumbed to his injury.

In this encounter, Shri Ranvir Singh exhibited conspicuous gallantry, leadership and devotion to duty of a very high order in the performance of which he laid down his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 25th September, 1964.

No. 28-Pres./65.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police :—

*Names of the officers and ranks*

1. Shri Bahoran Singh,  
Constable No. 317,  
District Morena,  
Madhya Pradesh.
2. Shri Sant Singh,  
Constable No. 98,  
District Morena,  
Madhya Pradesh.
3. Shri Sikandar Khan,  
Constable No. 140,  
District Morena,  
Madhya Pradesh.
4. Shri Gambhir Singh,  
Constable No. 322,  
District Morena,  
Madhya Pradesh.
5. Shri Bhagwan Singh,  
Constable No. 556,  
District Morena,  
Madhya Pradesh.

*Statement of Services for which the decoration has been awarded.*

On 10th April, 1964, at about 5.30 p.m. a combined gang consisting of most of the known gangs of Bhind and Morena and totalling about 95 strong raided village Pandola, Police Station Baroda, District Morena. The dacoits surrounded

the village and started looting. Shortly after the gang entered the village, a villager ran to the neighbouring village of Pandoli, situated at a distance of 1½ miles, where five Constables from Baroda had come for the service of summons. Constables Bahoran Singh, Sant Singh, Sikandar Khan, Gambhir Singh and Bhagwan Singh immediately rushed to village Pandola to face the formidable combination of the gangs. They made two attempts to enter the village, first from the south and then from the west, but each time were resisted by the heavy fire of the dacoits. Undaunted the police party advanced along a nullah and taking up a position near the road, opened fire on the dacoits. On hearing fire from several directions, the leaders of the dacoits, who were in the act of chopping off legs of a woman in order to remove some heavy silver ornaments, thought that they had been surrounded by a large police party and immediately gave a signal to their followers to withdraw. While doing so, the dacoits took with them eleven persons including two girls aged 17 and 19 years, and a lot of property. Thereupon the police party made a detour and again attacked the dacoits. A pitched battle ensued in which the dacoits fired more than 100 rounds and then started retreating. Unmindful of the risk, the small police party kept up the pursuit and with exemplary courage drove off the dacoit gang nearly twenty times their number and succeeded in recovering a large part of the booty and in rescuing eight persons, including the two girls.

In this encounter, Constables Bahoran Singh, Sant Singh, Sikandar Khan, Gambhir Singh and Bhagwan Singh, showed exemplary courage and devotion to duty of a high order in utter disregard of their own safety.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 10th April, 1964.

Y. D. GUNDEVIA, Secy. to the President.

## LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-1, the 2nd April 1963

No. F.21/3/65/T.—Shri Ajit Prasad Jain, an elected Member of Lok Sabha from the Tumkur Constituency of Mysore, has resigned his seat in Lok Sabha with effect from the 2nd April, 1965.

S. L. SHAKDHER, Secy.

## PLANNING COMMISSION

### RESOLUTION

New Delhi, the 25th March 1965

No. 1&M-3(7)/65.—With a view to making a quick assessment of the extent to which the major engineering units in the public as well as private sectors will be able to produce and supply the maximum quantum of the different items of machinery and equipment to meet the capital goods requirements of the Fourth Plan, both in terms of items whose production has been planned already and those whose production can be arranged expeditiously, it has been decided to set up a Technical Committee to conduct an investigation into this matter and make recommendations to Government in the subject.

2. The Technical Committee will comprise as follows :—

#### Chairman

1. Dr. A. Nagaraja Rao.

#### Members

2. Shri P. C. Kapur.
3. Shri M. M. Suri.
4. Dr. K. S. Chari.
5. Shri S. Moolgaokar.
6. Dr. B. D. Kalelkar.
7. Shri S. S. Jagota.
8. Shri K. B. Rao.
9. Shri K. M. George.

#### Member-Secretary

10. Shri B. C. Mathur.

3. The following will be the terms of reference of the Committee :—

- (a) to take stock of the requirements of capital goods for major industries like steel plants, mining, cement, sugar etc.

- (b) to make a quick review of the extent to which the above requirements can be met from the major industrial projects in the public and private sectors (i) in operation and (ii) under implementation;
- (c) to set out the major gaps in indigenous production and recommend steps for filling them expeditiously with a view to reducing imports on that account as soon as possible. For achieving this result the committee will, apart from considering expansions of projects or new projects, also consider additions and adjustments in the production programme of existing units as also of units under implementation.
4. The Committee may coopt or seek the assistance of other experts as it may deem necessary during the course of its work.
5. The Committee will meet as often as necessary at New Delhi or any other place and submit its recommendations within two months.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries of the Government of India and others concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

## RESOLUTION

No. 1&M-3(7)1/65.—In order to assess the needs of electrical equipment for generation, transmission and distribution of power during the Fourth Plan period, it has been decided to set up a Technical Committee to study and report on the requirements of major electrical equipment during the Fourth Plan period.

2. The Committee will consist of the following :—

*Chairman*

1. Shri B. S. Nag.

*Members*

2. Shri M. K. Gopalienger.  
3. Shri K. L. Vij.  
4. Dr. B. D. Kalelkar.  
5. Shri K. B. Mathur.  
(Alternate Shri V. Krishnamurthy).  
6. Shri K. C. Lall.  
(Alternate Shri S. Swayambu).  
7. Shri Hari Bhushan.

*Member-Secretary*

8. Shri K. N. Ramaswami.

3. The following will be the terms of reference of the Committee :—

- (a) to assess the requirements of electrical equipment of all major categories and types for meeting the needs of the Fourth & Fifth Plan targets for power generation, transmission and distribution. The Committee will take into account the recommendations of the Energy Survey Committee as also other assessments of power targets so far made.
- (b) to take stock of the capacity in operation/under implementation for covering the above requirements both qualitatively and quantitatively and the gaps that have to be made up with reference to indigenous production of such equipment;
- (c) to recommend the steps to be taken for bridging the gap through additions/readjustments of production programmes as also expansion of capacities of the units in operation and under implementation, and in the form of new units, if any.

4. The Committee may also coopt or seek the assistance of other experts as it may deem necessary during the course of its work.

5. The committee will meet as often as necessary at New Delhi or any other place and submit its recommendations within two months.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries of the Government of India and others concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. BUTT, Jt. Secy.

## MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (Department of Agriculture)

## RESOLUTION

New Delhi, the 26th March 1965

No. 6-10, 65.-Genl.II.—The Government of India have decided that Shri K. S. Randhawa, Commissioner of Agricultural Production and Rural Development, Government of Punjab, Chandigarh, will be a member of the Panel of Experts on Agricultural Administration constituted under this Ministry's Resolution No. 6-34/64-C(G), dated the 24th September, 1964, vice Shri A. L. Fletcher, Financial Commissioner (Revenue), Punjab.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Departments of the Government of India, all the State Governments and Union Territories, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, President's Secretariat, Lok Sabha Sectt., Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Parliament Library (5 copies), all members of the Panel of Experts on Agricultural Administration, Directors of Agriculture and Animal Husbandry in all the States and Union Territories, all Attached and Sub ordinate Officers under the Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture).

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India, for general information.

G. R. KAMAT, Secy.

## MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 27th March 1965

No. 5(31)/64-SRI.—In pursuance of Article 89 of the Articles of Association of the National Research Development Corporation (a Company registered under the Companies Act of 1956) the President is pleased to reconstitute the Board of Directors of the Corporation for a period of two years with effect from the 1st April 1965 and to appoint the following as Directors :—

1. Dr. S. Husain Zaheer,  
Director General,  
Scientific and Industrial Research,  
Rafi Marg, New Delhi.
2. Shri Arvind N. Mafatlal,  
Mafatlal House, Backbay Reclamation,  
Bombay-1.
3. Shri M. G. Raja Ram,  
Joint Secretary,  
Ministry of Education,  
New Delhi.
4. Shri K. N. Channa,  
(Joint Secretary, Ministry of Finance),  
Financial Adviser, Ministry of Education,  
New Delhi.
5. Dr. N. Srinivasan,  
Industrial Adviser (Chemicals),  
Directorate General of Technical Development,  
New Delhi.
6. Dr. B. R. Nijhawan,  
Director,  
National Metallurgical Laboratory,  
Jamshedpur.
7. Shri M. M. Suri,  
Director,  
Central Mechanical Engineering Research Institute,  
Mahatma Gandhi Avenue,  
Durgapur-3.
8. Dr. Y. Nayudamma,  
Director,  
Central Leather Research Institute,  
Madras-20.
9. Shri K. Sen,  
M/s Allied Resins and Chemicals Pvt. Ltd.,  
10-1, Elgin Road,  
Calcutta-20.
10. Shri Laxmipat Singhania,  
J. K. Organisation,  
7, Council House Street,  
Calcutta.
11. Shri K. C. Choudhari,  
Joint Director, Research (M&C),  
Research Designs & Standards Organisation,  
Chittaranjan.
12. Shri A. M. M. Murugappa Chettiar,  
52/53, Jahangir Street,  
Madras-1.



13. Shri Baldev Singh,  
Research Coordination,  
Industrial Liaison & Extension Officer,  
Council of Scientific and Industrial Research,  
Rafi Marg, New Delhi.
14. Dr. A. N. Kapur,  
Executive Director,  
National Research Development Corporation,  
Mandi House, Lytton Road,  
New Delhi-1.

2. In accordance with Article 103 of the Articles of Association, the President is pleased to nominate Dr. Husain Zaheer to be the Chairman and Shri Arvind Mafatlal to be the Vice-Chairman of the reconstituted Board of Directors.

M. M. MALHOTRA, Dy. Secy.

New Delhi, the 29th March 1965

*In the Matter of Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay*

No. F.15-3/63(A1)CDN.—Whereas an application has been made to the Central Government by the Secretary, Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay, that the securities specified in the Schedule hereto annexed be vested under the designation of the said Institution in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be applied in trust upon the terms contained in the scheme of administration of the Institute published by the erstwhile Government of Bombay notification Nos. 452 and 453 both dated the 7th March, 1906;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890) the Central Government hereby directs that the said securities shall be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him and his successors in office (subject to the provisions of the Charitable Endowments Act, 1890 and the rules from time to time

framed and to be framed thereunder by the Central Government) upon trust to hold the said securities and the income thereof in accordance with the terms set out in the said scheme.

#### SCHEDULE

3½% National Plan Bonds, 1965 (Second Series) :—

(i) CA 006221	1/1,00,000	for Rs. 1,00,000.
(ii) CA 006224/33	10/1,00,000	for Rs. 10,00,000.
(iii) CA 006222/23	2/25,000	for Rs. 50,000.
(iv) CA 006234/37	4/5,000	for Rs. 20,000.
(v) CA 006238/41	4/1,000	for Rs. 4,000.
(vi) CA 006242/45	4/100	for Rs. 400.

Total	Rs. 11,74,400.
-------	----------------

(Rupees Eleven Lacs Seventy-four Thousand Four Hundred only)

G. K. BHATNAGAR, Under Secy.

New Delhi, the 1st April 1965

No. 50-14/65-UU.—The Regional Centre for the Training of Educational Planners, Administrators and Supervisors in Asia, Delhi, will be designated with effect from 1-4-65 as the Asian Institute of Educational Planning and Administration, Delhi.

C. S. NAYAR, Under Secy.

